www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 349 || लखनऊ
गुरूवार
26 म़ार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:04
सूर्यास्तः 06:20
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 22°00

पेज 03

विशेष समाचार धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम... >> पेज 02 | युवक की गला रेतकर हत्या... >> पेज 04 | मोनालिसा ने डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर...

देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं : सरकार

कीमतों में भी कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, घबराकर जरूरत से ज्यादा खरीदने से बचें

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों को सप्लाई करने वाले टर्मिनलों पर भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दिल्ली में इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान लोगों से डर और घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने से बचने की अपील की।

>> (शेष पेज 04 पर)

दिल्ली में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग में तेल और गैस संकट पर जानकारी दी।

सरकार ने कहा- डिस्ट्रीब्यूटर के पास एलपीजी की कोई कमी नहीं

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने आगे कहा- पिछले 25 दिनों में करीब 2.5 लाख नए PNG कनेक्शन दिए गए हैं। इसके अलावा लगभग 2.20 लाख उपभोक्ताओं ने LPG से PNG में शिफ्ट किया है। साथ ही करीब 2.5 लाख नए आवेदन या रजिस्ट्रेशन भी प्राप्त हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर LPG की भी कोई कमी नहीं है और ऑनलाइन बुकिंग अच्छी चल रही है। अब तक लगभग 26 राज्यों ने 22,000 टन कमर्शियल LPG का आवंटन किया है, जिसमें राज्य सरकारों और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों दोनों की आपूर्ति शामिल है।

"सुजाता शर्मा ने कहा- पैनिक बाइंग के कारण पिछले दो दिनों में कई जगहों पर पेट्रोल पंपों और रिटेल आउटलेट्स के बाहर लंबी कतारें देखी गई हैं। हम बताना चाहते हैं कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक है। हमारे पास सालाना करीब 26 करोड़ टन कच्चा तेल रिफाइन करने की क्षमता है।"

सरकार बोली- 35 दिन बाद गैस बुकिंग की बात झूठ

इससे पहले पेट्रोलियम मंत्रालय ने आज सुबह बताय था कि LPG रिफिल बुकिंग के समय में बदलाव से जुड़ी खबरें और सोशल मीडिया पर चल रही जानकारी पूरी तरह गलत हैं। मंत्रालय ने कहा कि बुकिंग की मौजूदा समय-सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह पहले की तरह ही जारी रहेगी। बयान में कहा गया कि कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि PMUY कनेक्शन के लिए 45 दिन, नॉन-PMUY सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय की गई है, लेकिन ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ब्लैक मार्केटिंग पर कार्रवाई

सरकार ने जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। कई राज्यों में करीब 2700 छापे मारे गए, जिसमें 2000 से ज्यादा सिलेंडर जब्त किए गए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज करीब 167 किमी लंबा अहम समुद्री मार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया के करीब 20% पेट्रोलियम की सप्लाई इसी रास्ते से होती है। मौजूदा तनाव के कारण यह रूट फिलहाल जोखिम भरा माना जा रहा है।

होर्मुज ईरान और ओमान के बीच 167 किमी लंबा जलमार्ग

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रह गया है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। इस मार्ग के बंद होने या तनावपूर्ण होने से तेल की कीमतें तुरंत प्रभावित होती हैं, क्योंकि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस पर निर्भर है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।

एलपीजी संकट को लेकर अब सरकार ने ये कदम उठाए

6 मार्चः घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड शुरू किया गया (यानी एक सिलेंडर मिलने के 21 दिन बाद ही दूसरा बुक होगा)।
9 मार्चः डिमांड बढ़ने पर शहरों में लॉक-इन पीरियड बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया।
12 मार्चः ग्रामीण इलाकों के लिए सिलेंडर बुकिंग का गैप बढ़ाकर 45 दिन किया गया।
14 मार्चः पेट्रोलियम मंत्रालय ने पीएनजी (पाइप गैस) यूजर्स के लिए एलपीजी सिलेंडर रखना गैर-कानूनी घोषित किया। अब पीएनजी कनेक्शन वालों को अपना सिलेंडर सरेंडर करना होगा और वे रिफिलिंग नहीं करा पाएंगे।

"युद्ध का सबसे अधिक असर एलपीजी पर पड़ा है, क्योंकि देश अपनी कुल मांग का लगभग 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। इसका बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है, जहां से आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस स्थिति में सरकार ने घरेलू रसोई गैस आपूर्ति को प्राथमिकता दी और होटल-रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए एलपीजी उपयोग को कम से कम आधा कर दिया गया है। लिए इसी पर निर्भर हैं। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।"

कई जगहों से खरीदा तेल

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि विविध स्रोतों से आयात के कारण भारत पश्चिम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और अमेरिका से पर्याप्त कच्चा तेल हासिल करने में सफल रहा है। कतर में भारत के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता की गैस सुविधाएं युद्ध से प्रभावित होने के कारण द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति में बाधा आई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) को प्राथमिकता दी गई जबकि उर्वरक संयंत्र जैसे औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति कुछ हद तक सीमित की गई है।

अमेरिकी जंगी जहाज अब्राहम लिंकन पर मिसाइल दागी : ईरान

इलाका छोड़कर भागा, कहा- रेंज में आया तो और हमले करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के जंगी जहाज एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन पर मिसाइल हमला किया, जिसके बाद उसे इलाका छोड़कर पोजिशन बदलनी पड़ी। ईरानी सेना के मुताबिक, नौसेना ने कादेर क्रूज मिसाइलों से कैरियर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद अमेरिकी बेड़े को अपनी स्थिति बदलनी पड़ी। ईरानी नौसेना प्रमुख शहराम ईरानी ने कहा कि अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे ही यह बेड़ा मिसाइल रेंज में आएगा, उस पर और भी शक्तिशाली हमले किए जाएंगे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है और अमेरिका की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं

आई है। ईरान ने इजराइल के एक बड़े पावर प्लांट को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया।इजराइली सेना के अनुसार, इस हमले में पावर प्लांट के पास मिसाइल गिरी, लेकिन इससे किसी तरह के नुकसान या घायल होने की खबर नहीं है। हमले के दौरान कुछ मिसाइलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने रास्ते में ही रोक लिया, जबकि एक मिसाइल खुले इलाके में गिरी। ईरान ने आरोप लगाया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं : सुप्रीम कोर्ट

कहा- जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला CJI जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ

दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। अदालत मुहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। CJI ने कहा- हमें वह नोटिस दिखाइए जिसमें आपको राष्ट्रगान बजाने के लिए मजबूर किया गया है। आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं पता कि वह मान्यता प्राप्त है या नहीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

वकील के जुलूस से कोर्ट की कार्यवाही रुकी

भावनगर (गुजरात)। गुजरात में भावनगर जिला कोर्ट के बार एसोसिएशन चुनाव के बाद विजयी जुलूस निकाल रहे वकील और डिस्ट्रिक्ट जज के बीच तीखी बहस हो गई। वकील ने जज से यहां तक कह दिया कि आप कौन हैं? क्या आप मुझे जानते हैं? आप जाकर अपनी कुर्सी संभालिए। इसी दौरान कुछ वकील जज को शांत कराकर कोर्ट रूम में ले गए। यह मामला बुधवार का है।

एससी के फैसले पर सीजेआई के भाई को फोन किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बुधवार को एक याचिकाकर्ता के पिता को कड़ी फटकार लगाई। CJI के मुताबिक, व्यक्ति ने उनके सुनाए आदेश को लेकर उनके भाई को फोन किया था। CJI ने कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा- याचिकाकर्ता के पिता ने मेरे भाई को फोन करके पूछा कि CJI ने ऐसा आदेश कैसे दिया। क्या अब वह मुझे निर्देश देंगे? मुझे धमकाने की कोशिश न करें। चीफ जस्टिस ने आगे कहा- कोई ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता और आपको लगता है कि मैं इस वजह से केस ट्रांसफर कर दूंगा? मैं पिछले 23 सालों से ऐसे ही लोगों से निपटता आ रहा हूं।

रेप पीड़ित बच्ची को थाने बुलाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

गुरुग्राम। सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप के मामले में असंवेदनशील रवैये के लिए हरियाणा पुलिस और बाल कल्याण समिति को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा पीड़ित से मिलने के बजाय उसे थाने बुलाना शर्मनाक है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- पुलिस अफसरों को देखिए, उनकी पोजिशन देखिए। पुलिस स्टेशन में DCP, ASP रहते हैं।

पश्चिम एशिया हालात पर रिजिजू बोले- विपक्ष सरकार के साथ

कांग्रेस ने संसद में बहस की मांग की, सर्वदलीय बैठक में राहुल नहीं पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बुधवार को ईरान-इजराइल जंग के बीच सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। 2 घंटे चली बैठक में मिडिल ईस्ट के हालात और देश में तेल और गैस की उपलब्धता पर चर्चा हुई। सरकार ने विपक्ष के सवालों के जवाब भी दिए। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मीटिंग में शामिल नहीं हुए। रिजिजू ने उम्मीद जताई कि इस संकट के समय विपक्ष भी सरकार के साथ मिलकर देश के हित में काम करेगा। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी अपील की है कि देश एकजुट रहे और संसद से एकता का संदेश जाए। वहीं कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने बैठक को लेकर कहा कि बैठक असंतोष-जनक रही। उन्होंने सरकार से संसद में चर्चा कराने को कहा।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया विपक्ष ने कहा कि वो सरकार के साथ है। उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। रिजिजू के मुताबिक, उनसे दो बार संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने किसी अन्य कार्यक्रम का हवाला देकर आने से मना कर दिया।

24 मार्चः राज्यसभा में मोदी ने कहा था- आने वाला वक्त सबसे बड़ी परीक्षा

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर मंगलवार को राज्यसभा में कहा था कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है।

रामनवमी पर योगी सरकार का बड़ा फैसला

26 के साथ 27 मार्च को भी रहेगा सार्वजनिक अवकाश

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चैत्र नवरात्रि चल रही है। मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ रही है। योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश में 26 और 27 मार्च को छुट्टी रहेगी। वहीं, 28 मार्च को शनिवार है, जिसके चलते ज्यादातर सरकारी और प्राइवेट ऑफिस बंद रहेंगे। 29 मार्च को रविवार पड़ रहा है। जिन ऑफिस में शनिवार को छुट्टी होती है, उनको चार दिनों की छुट्टी मिल जाएगी। बैंक भी 26-27 मार्च को बंद रहेंगे। वहीं, 28 मार्च को चौथा शनिवार पड़ रहा है, जिसके कारण बैंक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि Ayodhya, Mathura और Varanasi जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर

सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं। भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने के निर्देश भी दिए गए हैं। रामनवमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रामनवमी पर पथ संचलन निकालता है। हर साल चैत्र रामनवमी पर आरएसएस की ओर से पथ संचलन निकाला जाता है। स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में शारीरिक प्रदर्शन और घोष के साथ समाज में अनुशासन और एकता का संदेश देते हैं।

"सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा।"

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए निर्णय

सरकार का यह फैसला विशेष रूप से धार्मिक स्थलों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए निकलते हैं, जिससे यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में लगातार दो दिन की छुट्टी से श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में सुविधा मिलेगी।

सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों को राहत

इस फैसले से न सिर्फ आम श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी, बल्कि सरकारी कर्मचारियों को भी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। लगातार दो दिन का अवकाश होने से लोग बिना किसी जल्दबाजी के अपने धार्मिक कार्यक्रम पूरे कर पाएंगे।

बैठक : इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी आईवीएफआरटी योजना 5 साल के लिए बढ़ी

केंद्र से उड़ान 2.0 योजना को मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें 2030-35 के नए पर्यावरण लक्ष्य तय करना, मोडिफाइड UDAN योजना को मंजूरी और इमिग्रेशन सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए IVFRT 3.0 योजना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि कैबिनेट ने मोडिफाइड रीजनल एयर कनेक्टिविटी योजना UDAN 2.0 को मंजूरी दी है। इसके तहत 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। इस पर 28,840 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कैबिनेट ने इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी IVFRT 3.0 योजना को 31 मार्च 2031 तक 5 साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

2030 -2035 के लिए नए पर्यावरण लक्ष्य तय किए गए।

100	1,800	12,159
नए एयरपोर्ट विकसित होंगे	करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।	करोड़ रुपये का कुल बजट

अश्विनी वैष्णव बोले- उत्सर्जन तीव्रता में 36% कमी हासिल की

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत ने GDP के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता (एमिशन इंटेंसिटी) में 36% की कमी हासिल कर ली है। 2030 का एक लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया गया और 2026 में उसे पार भी कर लिया गया। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, पहले क्योटो प्रोटोकॉल लागू था, लेकिन पेरिस समिट के बाद एक नया वैश्विक ढांचा बना, जिसमें हर देश को अपनी परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य तय करने को कहा गया। वर्तमान लक्ष्य 2025-2030 के लिए हैं और अब कैबिनेट ने 2030–2035 के लक्ष्यों को भी मंजूरी दे दी है।

आईवीएफआरटी 3.0 योजना- सेल्फ-सर्विस कियोस्क जैसी तकनीक डेवलप होंगी

सरकार ने बताया कि IVFRT प्लेटफॉर्म इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन को आपस में जोड़कर व्यवस्थित करेगा। यह सुरक्षित और एकीकृत सेवा ढांचे के तहत इन सेवाओं को आधुनिक बनाएगा। योजना के तहत मोबाइल आधारित सेवाएं और सेल्फ-सर्विस कियोस्क जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। देशभर के इमिग्रेशन पोस्ट, FRROs और डेटा सेंटर का विस्तार और अपग्रेड किया जाएगा। इससे एक मजबूत और स्केलेबल सिस्टम तैयार किया जाएगा।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

बटुकों से यौन शोषण केस में हाईकोर्ट का फैसला, इंटरव्यू देने पर रोक लगाई

जमानत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष

शंकराचार्य को हाईकोर्ट से जमानत मिलने की खुशी में काशी में उनके मठ में काजू-कतली बांटी गई।

जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है। यह फैसला सुनाने के दौरान शंकराचार्य के वकीलों ने कहा- योर ऑनर इस पर भी कहें कि कोई बच्चों को लेकर घूमने लगता है, कोई यात्रा के दौरान बयानबाजी करता है। इसे भी रोका जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

सम्पादकीय

अदूरदर्शी सरकार होने का खामियाजा

इरतिज़ा निशात का लिखा ये शेर आज भारत के हुक्मरानों को बतौर नसीहत सुनाया जा सकता है। या तो नरेन्द्र मोदी और उनके तमाम सिपहसालार देश और दुनिया की वास्तविकताओं से अनभिज्ञ हैं या उन्हें किसी गड़बड़ी का भान तभी होता है, जब पानी सिर के ऊपर से निकल जाए। 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने के बाद मध्यपूर्व में एक बड़ी जंग शुरु हो गई थी, जिस की आंच भारत पर भी पड़ रही थी। तब 12 मार्च को राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संघर्ष के कारण देश एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है और इसके बावजूद प्रधानमंत्री लोकसभा में आकर इस मुद्दे पर बोलना नहीं चाहते। उन्होंने आरोप लगाया कि 'अमेरिका में अडानी पर आरोप तय होने और एपस्टीन फ़ाइल्स के चलते प्रधानमंत्री मोदी घबराहट में हैं।' एपस्टीन और अडानी का नाम आते ही राहुल गांधी के भाषण में हंगामा शुरु हो गया और जब उन्होंने एलपीजी संकट पर बोलने की कोशिश की तो उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा था कि, 'मैंने देश में एलपीजी गैस और तेल की स्थिति पर बयान देने की अनुमति मांगी। लेकिन अब एक नई प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें पहले मंत्री तय करेंगे, फिर मैं बोलूंगा, उसके बाद मंत्री जवाब देंगे। असल बात यह है कि ईंधन एक बड़ी समस्या बनने वाला है, क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ा है। ग़लत विदेश नीति ने यह स्थिति पैदा की है। अब हमें तैयारी करनी होगी। हमारे पास अभी थोड़ा समय है। सरकार और प्रधानमंत्री को तुरंत तैयारी शुरू करनी चाहिए, वरना करोड़ों लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।' उन्होंने ये भी कहा था कि, 'यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है। मुझे साफ़ दिखाई दे रहा है कि एक बड़ी समस्या आने वाली है। समस्या यह है कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानमंत्री की तरह काम नहीं कर पा रहे हैं। इसके पीछे एक वजह है, वह फंसे हुए हैं। फिर भी उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लोग सुरक्षित रहें और हमारी ऊर्जा सुरक्षा हमारे नियंत्रण में रहे।' राजनीतिक विश्लेषण सेवा राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा ने उन पर हमला बोला था कि वे बेवजह घबराहट फैला रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री मोदी उन दिनों तमिलनाडु और केरलम में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे और उन्होंने कहा था कि कहीं कोई संकट नहीं है और विपक्ष अफवाहें फैला रहा है। यह वैसा ही बयान था, जैसा कोरोना संकट के वक्त दिया गया था या उससे पहले गलवान पर हमले के वक्त कहा था कि कोई नहीं आया है। अगर प्रधानमंत्री को संदेह का लाभ दिया जाए तब भी यही समझ आता है कि उन्हें जब तक अहसास होता है कि कहीं कोई बड़ी समस्या खड़ी हो चुकी है, तब तक करोड़ों लोग उससे प्रभावित हो चुके होते हैं। इसलिए अगर प्रधानमंत्री से देश नहीं संभल रहा है, तो देशभक्ति की खातिर ही किसी सुपात्र को इस पद की जिम्मेदारी सौंप दें। लेकिन इस वक्त तो समूची भाजपा केवल प्रधानमंत्री के दिखाए को ही देख रही है, वो जो सुनाएं उसे सुन रही है। अपनी तर्कक्षमता और विवेक का इस्तेमाल करने वाले देश की सबसे बड़ी पार्टी में लगता है, हैं ही नहीं। भाजपा इसे भले अनुशासन माने, लेकिन असल में यह चाटुकारिता है कि प्रधानमंत्री को सही सलाह नहीं दे कर, केवल हां में हां मिलाया जा रहा है। तभी तो केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने सदन में कहा था कि हमारी रिफ़ाइनरियां उच्च क्षमता उपयोग के साथ काम कर रही हैं। कई मामलों में यह 100 प्रतिशत से भी अधिक पर चल रही हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, एटीएफ़ या फ्यूल ऑयल की कोई कमी नहीं है। अगर 12-13 मार्च तक सरकार को कोई कमी महसूस नहीं हुई तो क्या सड़कों पर कतार में खाली सिलेंडर लेकर खड़े लोग भी दिखाए नहीं दिए। और अब प्रधानमंत्री क्यों यह कह रहे हैं कि पश्चिम एशिया का संकट भारत के लिए चिंता का कारण है। सोमवार को लोकसभा में दिए अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा था कि इस संकट का सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा। और फिर मंगलवार को उन्होंने फिर कहा कि अगर यह जंग जारी रही, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, 'भारत हर सेक्टर में यह प्रयास कर रहा है कि किसी भी सेक्टर में दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भरता न हो।' यानी आत्मनिर्भर बनाने के दावे कम से कम दस साल से हो रहे हैं और अब कहा जा रहा है कि हम प्रयास कर रहे हैं। वहीं जिस समस्या को राहुल गांधी ने 12 मार्च को संसद से बताया था, उस पर 12 दिन बाद राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। हम सभी संभव स्रोतों से गैस, कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, आने वाले दिनों में प्रयास जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

> यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम

कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना। आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है।

ललित गर्ग

जन सुराज का...

डॉ. शैलेश शुक्ला

आखिर क्यों देश भर में निरंतर लोकप्रिय हो रहा है विकास का उत्तर प्रदेश मॉडल

समय की सजीव सरगम में जब विकास की धारा दिशाओं को द्रुत गति से बदलती है, तब कुछ प्रदेश ऐसे होते हैं जो परिवर्तन के प्रतीक बन जाते हैं। उत्तर प्रदेश आज उसी परिवर्तन, प्रगति और प्रबंधन का पर्याय बनकर उभर रहा है। कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और अव्यवस्था के लिए चर्चा में रहने वाला यह प्रदेश अब विकास, निवेश और नवाचार का केंद्र बनता जा रहा है। प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि "उत्तर प्रदेश मॉडल" देश भर में चर्चा, आकर्षण और अनुकरण का विषय बन गया है। इसका उत्तर केवल राजनीतिक विमर्श में नहीं बल्कि प्रमाणिक आँकड़ों, नीतिगत निर्णयों और जमीनी बदलावों में छिपा हुआ है। सबसे पहले यदि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में इस परिवर्तन को समझें तो उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार किया है। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार वर्ष 2016-17 में जहाँ सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13.30 लाख करोड़ रुपये था, वहीं यह बढ़कर 2024-25 में 30.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया और 2025-26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान व्यक्त किया गया है, जो लगभग 10.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। यह वृद्धि केवल संख्यात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक है क्योंकि इसमें उद्योग, सेवा और कृषि तीनों क्षेत्रों का संतुलित योगदान शामिल है। प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार यह आय 2016-17 के 54,564 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1,09,844 रुपये हो गई है । यह दोगुनी वृद्धि इस बात का संकेत है कि विकास का लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक तक पहुँच रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश का विकास मॉडल "समावेशी विकास" के रूप में भी देखा जा रहा है। निवेश के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने जो छलांग लगाई है, वह इस मॉडल की लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। राज्य

सरकार द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश पाइपलाइन तैयार की गई है । हाल ही में आयोजित निवेश सम्मेलनों और उनके फॉलोअप कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा गया है, जैसा कि समकालीन समाचार रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है कि 7.5 लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं और पूर्व सम्मेलनों के माध्यम से लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश को क्रियान्वित किया जा चुका है। यह निवेश केवल कागजों तक सीमित नहीं बल्कि औद्योगिक इकाइयों, रोजगार और उत्पादन में परिवर्तित होता दिखाई दे रहा है। औद्योगिक विकास की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार राज्य में कारखानों की संख्या 30,000 से अधिक होने जा रही है और पिछले छह वर्षों में इसमें 800 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश अब केवल कृषि आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि औद्योगिक शक्ति के रूप में भी उभर रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में 3,400 करोड़ रुपये के निवेश और हजारों रोजगार सृजन जैसी परियोजनाएँ इस परिवर्तन को और अधिक सुदृढ़ करती हैं। अवसंरचना विकास इस मॉडल की रीढ़ है। उत्तर प्रदेश ने स्वयं को "एक्सप्रेसवे हब" के रूप में स्थापित किया है, जहाँ 22 एक्सप्रेसवे विकसित किए जा रहे हैं या निर्माणाधीन हैं। हालिया रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिछले नौ वर्षों में 63,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया गया है तथा 35,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। यह व्यापक नेटवर्क न केवल परिवहन को सुगम बनाता है, बल्कि उद्योग, पर्यटन और व्यापार को भी गति देता है। विमानन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में 24 हवाई अड्डों के विकास की योजना, जिसमें पाँच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे शामिल हैं, इसे वैश्विक संपर्क का केंद्र बना रही है। 28 मार्च 2026 से प्रचालन शुरू किए जाने वाले नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ इसे रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना रही हैं। कृषि क्षेत्र, जो उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आत्मा है, उसमें भी महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। राज्य देश का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक है और राष्ट्रीय उत्पादन में लगभग 20.6 प्रतिशत का योगदान देता है)। दूध उत्पादन में भी इसका योगदान 15.66 प्रतिशत है, जो इसे इस क्षेत्र में अग्रणी बनाता है। सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और फसल विविधीकरण के कारण कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जिससे किसानों की आय में सुधार हुआ है। कानून व्यवस्था में सुधार भी उत्तर प्रदेश मॉडल की लोकप्रियता का एक महत्वपूर्ण कारण है। हालिया रिपोर्टों में यह उल्लेख किया गया है कि राज्य में शांति, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण विकसित हुआ है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को स्थिरता मिली है, जो आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। डिजिटल शासन और पारदर्शिता भी इस मॉडल की विशेषता है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँचाया जा रहा है।

अगर उनका एलान...

राजेश श्रीवास्तव

आखिर पल-पल क्यों बदलती है ट्रंप की चाल?

ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने की मुनादी करने वाले अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होने वाले हमलों को 5 दिनों के लिए रोकने का एलान किया है। अचानक उनके इस फैसले पर दुनिया हैरान है। यह पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने यूटर्न लिया हो, अपने दूसरे बार के कार्यकाल के शुरुआत से ही अब तक ट्रंप का यह नया रूप दुनिया को देखने को मिला है। भारत-पाक युद्ध रुकवाने का दावा भी वह अब तक 65 बार कर चुके हैं तो आखिर इस बार ट्रंप के ईरान पर पांच दिन के सीजफायर का क्या मतलब है, यह समझना होगा कि यह केवल उनका यूं ही दिया गया बयान है या फिर सोची-समझी साजिश। कहीं ऐसा तो नहीं कि ट्रंप का साथ जब नाटो देश नहीं दे रहे हैं और वह युद्ध में अलग-थलग पड़ रहे हैं। दूसरे को तो छोड़िये, खुद अमेरिका की जनता ईरान पर युद्ध को जायज नहीं मान रही है। तो ट्रंप भी अंदरखाने मान चुके हैं कि इस युद्ध में इजरायल ने उनको धकेला है तो वह इजरायल को बीच मैदान में छोड़ना चाहते हैं और अंतहीन युद्ध से खुद को अलग करने की कोशिश भर कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने के लिए ईरान पर रणनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर अगले 48 घंटे के भीतर ईरान ने होर्मुज से होने वाली आवाजाही में दखल खत्म नहीं की तो विनाशकारी परिणाम होंगे। अब ईरान पर अचानक ट्रंप का रुख बदल गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान ने हार्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोल नहीं दिया तो अमेरिका ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट पर हमले करेगा। अमेरिका ऊर्ज़ा सेक्टर पर हमला करेगा। डोनाल्ड ट्रंप की धमकी से वैश्विक बाजारों में

तेल की कीमतें अचानक बढ़ गईं थीं। अब वह अपनी धमकी से ही मुकर गए हैं। सोमवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप ने अपना फैसला बदल दिया। उन्होंने कहा कि अब ईरान को पांच दिन का और समय दिया जा रहा है क्योंकि बातचीत में प्रगति हो रही है। ईरान ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। डोनाल्ड ट्रंप का फैसला बदलने पर अब कई सवाल उठ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के आलोचक कह रहे हैं कि यह उनकी कोई नई चाल है। वह युद्ध में किसी भी नीति का पालन नहीं करते हैं, ईरान को वक्ती मोहलत देकर अचानक 28 फरवरी की हमला करेंगे और भीषण तबाही मचाएंगे। आलोचकों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप, हर बात से पीछे हटते हैं, पलटी मारते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप को डर था कि हमला करने से युद्ध और बढ़ सकता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंच सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने 5 दिन का समय देने का एलान, अमेरिकी समय के हिसाब से सोमवार सुबह बाजार खुलने से ठीक पहले किया था। अगर उनका एलान सामने न आता तो अमेरिकी शेयर मार्केट का डूबना तय था। एलान के बाद शेयर बाजार मजबूत हो गए और तेल की कीमतें गिर गईं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ललित गर्ग

मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन-दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व-राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढक़र लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान-इजरायल एवं यूक्रे-रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके। श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है-राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, मध्य-पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध-इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है-पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है। श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज "रामराज्य" के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग

की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान-ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है। श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा।

कुलदीप पत्नी वंशिका के साथ पहुंचे बांके बिहारी मंदिर

पूजा-दर्शन करके 56 भोग अर्पित कि, शादी के बाद पहली बार वृंदावन आए

मथुरा, एजेंसी

क्रिकेटर कुलदीप यादव ने पत्नी वंशिका के साथ वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन किए। वे मंगलवार शाम साढ़े 7 बजे मंदिर पहुंचे थे। दोनों ने देहरी (चौखट) पर इत्र लगाकर सेवा की। भगवान को 56 भोग अर्पित किए। शादी के बाद दोनों पहली बार मथुरा पहुंचे थे। कुलदीप इतनी गुपचुप तरीके से वृंदावन पहुंचे कि किसी को इसकी भनक तक नहीं हुई। फोटो-वीडियो सामने आने के बाद बुधवार सुबह लोगों को इसकी जानकारी हुई। दोनों करीब 25 मिनट तक मंदिर में रहे। इस दौरान मंदिर के गार्ड उन्हें घेरकर खड़े रहे मंदिर के सेवायत शैलेंद्र गोस्वामी ने बताया कि कुलदीप के परिवार ने उनके आने की जानकारी दी थी। भीड़भाड़ से बचने के लिए इसे गोपनीय रखने को कहा था। मंदिर पहुंचने पर मैंने और नितिन सांवरिया ने पूजा-अर्चना कराई। इत्र देकर चौखट की पूजा करवाई। भगवान की प्रसादी माला भेंट की। करीब एक घंटे वृंदावन में रहने

के बाद दोनों दिल्ली रवाना हो गए। कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं।

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे कुलदीप

कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं।

कुलदीप का जन्म 14 दिसंबर, 1994 को उन्नाव जिले के एक गांव में हुआ था। पिता ईंट-भट्ठा चलाते थे। मां ऊषा यादव हाउस वाइफ हैं। उनकी 3 बड़ी बहनें हैं। उन्हें क्रिकेट का जबरदस्त शौक था। वो जब भी मैच का प्रसारण होता, तो टीवी पर देखना नहीं भूलते थे।

14 मार्च को मसूरी में हुई थी शादी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को मसूरी में शादी की थी। शादी में क्रिकेटर रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी पहुंचे थे। 17 मार्च को लखनऊ के होटल संट्रम में रिसेप्शन पार्टी हुई थी। सीएम योगी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कुलदीप-वंशिका को आशीर्वाद दिया था।

बचपन के दोस्त, धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदली

- कुलदीप और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती थीं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। कुलदीप लाल बंगला इलाके में रहते हैं।
- वंशिका और कुलदीप के घर के बीच की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर थी। कुलदीप ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में वंशिका के बारे में बात करते हुए कहा था कि उनकी जिंदगी में उनके लिए खास जगह है। उनका रिश्ता बहुत पुराना है।

पिछले साल जून में कुलदीप और वंशिका की रिंग सेरेमनी हुई थी। इसमें मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज भी पहुंची थीं।

केकेआर ने रसेल की जर्सी नंबर 12 रिटायर की

आईपीएल में 11 साल टीम का हिस्सा रहे, 2 बार खिताब जिताया

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 12 को रिटायर कर दिया है। रसेल 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने IPL से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं। आंद्रे रसेल का IPL करियर मुख्य रूप से कोलकाता नाइट राइडर्स के इर्द-गिर्द ही रहा। उन्होंने अपने कुल 140 IPL मैचों में से 133 मैच सिर्फ KKR के लिए खेले। वे 11 सीजन तक टीम के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहे। रसेल ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से, बल्कि अपनी डेथ ओवर गेंदबाजी से भी टीम को कई मुश्किल मैचों में जीत दिलाई। रसेल दो बार KKR की खिताबी जीत (2014 और 2024) का हिस्सा रहे। 2014 में उन्होंने सिर्फ 2 मैच खेले थे, लेकिन 2024 में टीम को चैंपियन बनाने में उनकी भूमिका सबसे बड़ी रही। उस सीजन में रसेल ने 15 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए

और 19 विकेट भी झटके। गेंदबाजी में उनका औसत 15.52 का रहा, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए बेहतरीन आंकड़ा है। कोच की नई भूमिका को लेकर रसेल ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि कोच बनने से मेरी मानसिकता में कोई बदलाव आया है। यह उन खिलाड़ियों को कुछ वापस देने जैसा है जिनके साथ और जिनके खिलाफ मैं सालों तक खेला हूं। मुझे वापस आकर इन लड़कों की मदद करने में बहुत अच्छा लग रहा है।' रसेल का नाता सिर्फ IPL वाली KKR से ही नहीं रहा, बल्कि वे नाइट राइडर्स की अन्य फ्रेंचाइजी के लिए भी खेलते रहे हैं।

फास्ट न्यूज

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं।

रेलवे टिकट 8 घंटे पहले कैंसिल करने पर ही रिफंड

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिल करने के नियम सख्त कर दिए हैं। अब अगर कोई यात्री ट्रेन छूटने से 8 घंटे पहले तक टिकट रद्द करता है, तभी उसे रिफंड मिलेगा। पहले यह समय 4 घंटे था, जिसे बढ़ाकर अब 8 घंटे कर दिया गया है। हालांकि, 24 से 8 घंटे के बीच टिकट कैंसिल करने पर अभी भी 50% पैसा ही वापस मिलेगा। इसके अलावा, अब यात्री ट्रेन छूटने से 30 मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन भी बदल सकते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि यह बदलाव इसलिए किया गया है, ताकि एजेंट और दलाल टिकटों की जमाखोरी न कर सकें। नए नियम 1 से 15 अप्रैल 2026 के बीच अलग-अलग फेज में लागू होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दलालों के पैटर्न को देखते हुए यह बदलाव किया गया है। दलाल अक्सर एक्स्ट्रा टिकट बुक कर लेते थे और ग्राहक न मिलने पर ट्रेन छूटने से ठीक पहले कैंसिल कर रिफंड ले लेते थे।

रसोई-गैस का विकल्प बनेगा एथेनॉल

नई दिल्ली। भारत में अब रसोई गैस (LPG) की निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल का इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। सरकार एथेनॉल बेस्ड कुकिंग स्टोव (चूल्हे) बनाने पर काम रही है। मंगलवार को फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सेक्रेटरी संजीव चोपड़ा ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एथेनॉल न केवल गाड़ियों के लिए, बल्कि अब घरों की रसोई के लिए भी एक सुरक्षित और सस्ता विकल्प बन सकता है।

कुमार सानू के साथ एआई फोटो पर भड़कीं कुनिका

कहा-शर्म करो, ये आदमी शादीशुदा है

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस कुनिका सदानंद सिंगर कुमार सानू के साथ AI जनरेटेड फोटो को लेकर भड़क गईं। एक यूजर ने फेक तस्वीर शेयर की, जिसे कुनिका ने गलत बताते हुएपोस्ट हटाने और मानहानि का केस दर्ज करने की चेतावनी दी। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर AI जनरेटेड फोटो शेयर कर कुनिका को टैग करते हुए यूजर ने लिखा, "कृपया मैम, #Sanuncka को भी एक रिप्लाई दे दीजिए।" इस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, "शर्म करो, ये आदमी शादीशुदा है और इनके बच्चे भी हैं। कोर्ट ने उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स भी दिए हैं। इसके लिए तुम मुश्किल में पड़ सकते हो।" उन्होंने आगे लिखा, "उन्हें या मेरी पर्सनल लाइफ को फैन वॉर में घसीटना बंद करो। किसी व्यक्ति के अधिकारों का सम्मान करो। मैं तुम्हारे खिलाफ मानहानि की शिकायत कर

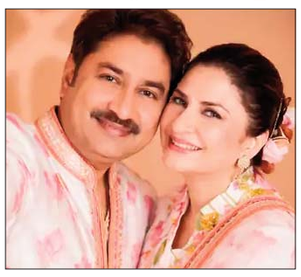

रही हूं, इसे हटा दो।"बता दें कि कुनिका सदानंद हाल ही में टीवी शो बिग बॉस 19 में नजर आई थीं। उन्होंने बेटा, गुमराह और खिलाड़ी जैसी कई फिल्मों में काम किया है। सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में कुनिका सदानंद ने बताया था कि उनका सिंगर कुमार सानू के साथ छह साल तक रिश्ता रहा। एक्ट्रेस ने कहा था, "मैं चाहती थी कि मैं उनके साथ घर बसाऊं, लेकिन उनका घर पहले से बसा हुआ था और सब ठीक था।

मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ, परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया

मोनालिसा ने डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए

- प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोनालिसा ने कहा कि अगर उन्हें और उनके पति को सुरक्षा नहीं मिली, तो वे आत्महत्या कर लेंगी।

कोच्चि, एजेंसी

प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आईं मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग के दौरान गलत तरीके से छूने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि

सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे जब छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे? मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें फैला रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं। मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर उनकी शादी को लव जिहाद बता रहा है और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहा है।

पति फरमान ने भी गंभीर आरोप लगाए

वहीं, मोनालिसा के पति फरमान ने भी आरोप लगाया कि डायरेक्टर उन्हें आतंकवादी बता रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम परिवार में जन्म लेने और उनका नाम फरमान खान होने के कारण उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। इंदौर की रहने वाली मोनालिसा पिछले साल प्रयागराज कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आई थीं।

फरमान ने कहा कि वह श्री नारायण गुरु में विश्वास रखते हैं और उन्होंने उसी के एक मंदिर में शादी की है। बता दें कि दोनों ने हाल ही में केरल में शादी की है।

यूएन में बोले इस्राइली राजदूत- कोई बातचीत नहीं, ऑपरेशन जारी

ईरान के साथ शांति वार्ता पर असमंजस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता को लेकर असमंजस जारी है। अब संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में किसी भी भागीदारी से इनकार किया है। संयुक्त राष्ट्र में मीडिया से बातचीत करते हुए डैनन ने कहा, 'मुझे किसी भी बातचीत में हमारी भागीदारी की जानकारी नहीं है। हम अपना ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं।' उन्होंने साफ किया कि इस्राइल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस्राइली राजनयिक ने कहा कि हर देश को अपने आप से पूछना चाहिए कि कौन शांति ला रहा है और कौन अराजकता? इस्राइल क्षेत्र में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहा है और ईरान इसका उल्टा कर रहा है। ईरान ने एक

महीने में 13 देशों पर हमले किए हैं। इस्राइल ने अपने 77 साल के इतिहास में कभी भी 13 देशों से लड़ाई नहीं की। इससे समझ सकते हैं कि ईरान अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संबोधन के दौरान भी डैनन ने ईरान पर हमास जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'इस्राइल और उसके अमेरिकी सहयोगियों ने 8,500 से

इस्राइली राजदूत बोले- ईरान को फिर से संभलने का मौका नहीं देंगे

डैनन ने कहा कि किसी भी सैन्य अभियान के बाद कूटनीति जरूरी होती है, लेकिन इस्राइल यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान न तो परमाणु क्षमता हासिल कर सके और न ही बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता विकसित कर पाए। मुझे लगता है कि हमने बहुत कुछ हासिल कर लिया है, लेकिन ईरान इसे मानने को तैयार नहीं है। हमने ईरानी शासन को कमजोर कर दिया है, लेकिन हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हालात न बनने पाएं कि ईरान को फिर से मजबूत होने का मौका मिले। इस्राइली राजदूत ने दावा किया कि इस्राइल क्षेत्र में शांति और स्थिरता का पक्षधर है, जबकि ईरान का रुख इसके विपरीत है। डैनन ने आरोप लगाया कि ईरान क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने के लिए जिम्मेदार है।

ज्यादा हमले कर ईरान के मिसाइल लॉन्चर, हथियार उत्पादन केंद्र और कमांड ढांचे को निशाना बनाया है। ईरान की वायु सेना और नौसेना तबाह हो चुकी है। अब ईरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।' अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता को लेकर पहले ही स्पष्टता नहीं थी, और अब इस्राइल के इस रुख ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। क्षेत्र में जारी सैन्य गतिविधियों और आरोप-प्रत्यारोप के बीच फिलहाल शांति की संभावना दूर नजर आ रही है। डैनन ने दावा किया कि इन हमलों के चलते ईरान की वायु सेना और नौसेना को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ईरान अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव बनाने और उसे 'ब्लैकमेल' करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस प्रयास को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और युद्ध खत्म होने की दिशा में बढ़ रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक खत्म हो चुकी है और अमेरिका इस युद्ध को समाप्त करने के करीब है। हालांकि, ईरान की ओर से अब तक किसी औपचारिक वार्ता की पुष्टि नहीं की गई है। तेहरान ने साफ किया है कि शांति तभी संभव है, जब अमेरिका और इस्राइल अपनी सैन्य कार्रवाई बंद करें।

जोमैटो के बाद स्विगी से भी खाना मंगवाना महंगा हुआ

हर ऑर्डर पर ₹14 की जगह ₹17.58 देने होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के बाद अब स्विगी से भी खाना मंगाना महंगा हो गया है। कंपनी ने आज 24 मार्च से हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 17% की बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 14 रुपए के बजाय अब 17.58 (GST सहित) यानी ₹3.58 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। यह बढ़ोतरी डिलीवरी ऑपरेशंस की लागत बढ़ने के कारण की गई है। कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले अगस्त-2025 में 17% यानी 2 रुपए का इजाफा किया गया था। तब प्लेटफॉर्म फीस 12 रुपए से बढ़कर 14 रुपए हो गई थी। स्विगी ने अप्रैल 2023 में सबसे पहले प्लेटफॉर्म फीस शुरू की थी, ताकि कंपनी अपने यूनिट इकोनॉमिक्स को बेहतर कर सके। तब से कंपनी ने धीरे-धीरे इस फीस को कई बार बढ़ाया है। शुरुआत में यह फीस मात्र 2 रुपए थी।

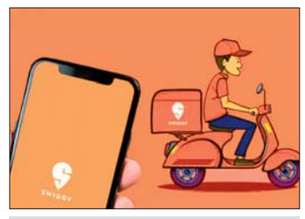

क्या होती है प्लेटफॉर्म फीस और क्यों वसूली जाती है?

प्लेटफॉर्म फीस वह फिक्स्ड चार्ज है जो फूड बिल, रेस्टोरेंट चार्ज और डिलीवरी फीस के अलावा हर ऑर्डर पर वसूला जाता है। कंपनियां इसे अपने ऑपरेटिंग कॉस्ट (संचालन लागत), टेक्नोलॉजी मेंटेनेंस और कस्टमर सपोर्ट जैसी सेवाओं को बेहतर बनाने और उनके खर्च को कवर करने के लिए लेती हैं। चाहे आपके खाने का बिल 200 हो या 2000, यह फीस हर ऑर्डर पर एक समान ही रहती है।

तेजी : 10 ग्राम सोना ₹5 हजार महंगा होकर ₹1.45 लाख का हुआ, देखें अपने शहर के गोल्ड रेट

चांदी ₹9 हजार बढ़कर ₹2.34 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सर्राफा बाजार में 25 मार्च को सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई है। India Bullion and Jewellers Association (IBJA) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 10 ग्राम पर करीब 5 हजार रुपए बढ़कर 1.45 लाख रुपए तक पहुंच गई है। वहीं, चांदी की कीमत में भी बड़ा उछाल देखने को मिला है। एक किलो चांदी 9 हजार रुपए महंगी होकर 2.34 लाख रुपए प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई है। कीमतों में यह तेजी ऐसे समय आई है जब वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सुरक्षित विकल्पों की तलाश बढ़ी हुई है। आने वाले समय में सोने और चांदी की कीमतों पर वैश्विक घटनाक्रम, केंद्रीय बैंकों की नीतियां और निवेशकों की धारणा का बड़ा असर रहेगा।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का ध्यान रखें

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

फिजिकल गोल्ड के बजाय डिजिटल या ETF विकल्प पर भी विचार करें।

क्या अभी सोने में निवेश करना सही है?

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल 'करेक्शन फेज' में जा सकता है, यानी कीमतों में थोड़ी गिरावट या स्थिरता आ सकती है। हालांकि, लंबी अवधि के नजरिए से सोने में तेजी का ट्रेंड अभी भी बरकरार है। ऐसे में निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे एकमुश्त निवेश करने के बजाय सिस्टेमेटिक तरीके से (थोड़ा-थोड़ा करके) निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम कम किया जा सके।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ बहुत तेजी से पिघलेगी।

स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आ सकती है।

क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

साल 2026 में अब तक मजबूत तेजी

अगर इस साल की शुरुआत से तुलना करें तो सोने और चांदी दोनों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है।

वर्ष 2025 के अंत में सोना जहां 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास था, वहीं अब यह बढ़कर 1.45 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

यानी महज तीन महीनों में करीब 11 हजार रुपए की बढ़त दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी इस दौरान लगभग 3 हजार रुपए का इजाफा हुआ है। यह संकेत देता है कि कीमती धातुओं में निवेशकों का भरोसा लगातार बना हुआ है। फिलहाल जिस तरह से बाजार में अस्थिरता बनी हुई है, उससे यह संकेत मिल रहा है कि कीमती धातुओं की मांग बनी रह सकती है।

सेंसेक्स में 1,500 अंक की तेजी

75,600 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 500 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 25 मार्च को तेजी है। सेंसेक्स करीब 1,500 अंक की तेजी के साथ 75,500 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 500 अंक की तेजी है, ये 23,400 पर कारोबार कर रहा है। आज ऑटो, बैंकिंग, मेटल और FMCG शेयर्स में ज्यादा बढ़त है। मिडिल ईस्ट का तनाव खत्म होने के संकेत: अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत की खबरों से बाजार में रौनक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कई अहम मुद्दों पर सहमति बन गई है। ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेतों का असर: दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ा दिया है। शुरुआती कारोबार में लगभग सभी बड़े एशियाई बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में रहे। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के नीचे

गिरीं: मिडिल ईस्ट संकट को सुलझाने के लिए अमेरिका की कूटनीतिक कोशिशों के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 5% से ज्यादा की भारी गिरावट आई है। अब यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया है। आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। ब्रेंट क्रूड आज 5% बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतो में 7% की तेजी है, ये 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। कल बाजार में रही थी तेजी इससे पहले कल यानी 24 मार्च को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 1372 अंक (1.89%) की तेजी के साथ 74,068 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 400 अंक (1.78%) की तेजी है, ये 22,912 पर पहुंच गया। आज बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही।

मैदान में मिली लाश, पास में शराब-कोल्ड ड्रिंक की बोतल मिली, 2 हिरासत में

युवक की गला रेतकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसकी खून से लथपथ लाश सुनसान मैदान में पड़ी मिली। मौके से शराब और कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भी मिली हैं। आशंका जताई जा रही है कि दोस्तों ने ही शराब के नशे में युवक की हत्या की है। पुलिस 2 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना चिनहट इलाके में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हुई। मृतक की पहचान चिनहट के कल्याणी बिहार कॉलोनी के रहने वाले रितेश सिंह के रूप में हुई है। वह टाइल्स कारीगर था। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। मां ने बताया- रितेश बिना घर में बताए घूमने निकला था। पौने आठ बजे उसे फोन कर पूछा तो बोला निशातगंज में हूं। इसके बाद फोन काट दिया। चिनहट के कल्याणी बिहार कॉलोनी के रहने वाला रितेश सिंह टाइल्स कारीगर था। मंगलवार शाम को

वह घर से बिना बताए अपने दोस्तों के साथ घूमने निकला था। चिनहट के हरदासीखेड़ा स्थित मैदान में स्थानीय लोगों ने उसे घायल अवस्था में पड़ा देखा। रितेश के गले पर गहरा घाव था और खून निकल रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। 108 एंबुलेंस की मदद से रितेश को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामा सुनील ने बताया- प्रियांशु नाम के लड़के का मंगलवार शाम को फोन आया था। इसके बाद रितेश घर से 200 लेकर निकल गया। शाम को 8 बजे के करीब परिवार से बातचीत हुई। इसके बाद उससे बातचीत होना बंद हो गई।

मां बोली- आखिरी बार फोन पर बात हुई

मां ने बताया- रितेश से रात पौने आठ बजे फोन पर बात हुई थी। उसने निशातगंज में होने की जानकारी दी थी। पिता ने बताया- रितेश इंटरमीडिएट पास था और टाइल्स लेबर का काम करता था। हमारा परिवार पिछले सात साल से लखनऊ में रह रहा है। हम लोग मूल रूप से बलिया जिले के झरकटहा गांव के रहने वाले हैं।

रंजिश या विवाद बना हत्या की वजह

रंभिक जांच में आपसी रंजिश या किसी विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस सभी संभावित एंगल दोस्ती, पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

बाइक के नंबर से हुई पहचान

पुलिस को घटनास्थल पर एक बाइक खड़ी मिली, जिसके नंबर के आधार पर पुलिस ने मृतक की पहचान की। पुलिस को घटनास्थल से शराब, कोल्डिंक और पानी की बोतलें मिली हैं। इससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि रितेश किसी के साथ वहां बैठा था। उसी दौरान विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

पुलिस ने देर रात रितेश के दो परिचितों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। लेन-देन और व्यक्तिगत विवाद को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है।

‘बालवाटिका नवारंभ उत्सव’ से नन्हें कदमों को मिली नई उड़ान

प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने की अभिनव पहल

- योगी सरकार की पहल से प्रदेशभर में उत्साहपूर्ण आयोजन, रेत लेखन व खेल आधारित गतिविधियों से सीखना बना आनंददायक।
- 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन पर विशेष फोकस, शिक्षा से जुड़ाव की मजबूत नींव।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल के रूप में ‘बालवाटिका नवारंभ उत्सव’ का प्रदेशभर के बालवाटिका (को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्र) युक्त विद्यालयों में भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह के निर्देशन में आयोजित इस

कार्यक्रम ने नन्हें बच्चों के शैक्षिक जीवन की सहज, आनंददायक एवं प्रेरक शुरुआत को सुनिश्चित किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत विकासखंड सरोजनीनगर के ग्राम रामचौरा स्थित प्राथमिक विद्यालय से अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा तथा महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी द्वारा संयुक्त रूप से की गई। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला, जहां नन्हें बच्चों ने खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को अपनाया। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण चरण होता है। ‘नवारंभ उत्सव’ का उद्देश्य प्रत्येक बालक-बालिका को प्रारंभिक अवस्था से ही विद्यालय से जोड़ना है, ताकि वे नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण करें और आगे की कक्षाओं में सहज रूप से प्रगति कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता 3 वर्ष से 18 वर्ष तक प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। बच्चों को विद्यालय की ओर आकर्षित करने के लिए रोचक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे बच्चे स्वयं विद्यालय आने के लिए प्रेरित हों।

फास्ट न्यूज

शादी के 9 दिन बाद दुल्हन गहने-कैश लेकर फरार

लखनऊ। लखनऊ के मोहन-लालगंज क्षेत्र में शादी के महज नौ दिन बाद एक नवविवाहिता के प्रेमी संग फरार होने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह रही कि युवती कुछ घंटों पहले ही पहली बार ससुराल पहुंची थी। देर शाम पति के घर लौटने पर वह जेवर और कपड़े लेकर गायब मिली। जानकारी के मुताबिक 11 मार्च को मोहनलालगंज के पुरसेनी निवासी युवती की शादी राजाखेड़ा निवासी युवक से हुई थी।

अलग-अलग सड़क हादसों में 2 की मौत

आगरा। आगरा के एकता थाना क्षेत्र के देवरी रोड पर ऑटो चालक की लापरवाही ने एक मजदूर की जान ले ली। दिव्यांग गीतम सिंह (40) आलू खुदाई का काम करते थे। वह खेत पर जा रहे थे, तभी सैमरी के ताल के पास सामने से आए तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गीतम सिंह ऑटो से गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। गीतम सिंह के भाई जगन ने बताया कि ऑटो में पहले से सात सवारियां थीं, लेकिन चालक ने गीतम को अपनी सीट पर बैठा लिया था। हादसे के दौरान टक्कर लगते ही गीतम का शरीर ऑटो से बाहर निकल गया और वह सड़क पर गिर पड़े। इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हो गए। गीतम सिंह के परिवार में पत्नी लक्ष्मी और चार बेटियां हैं। पत्नी भी दिव्यांग हैं और गीतम ही घर के एकमात्र कमाने वाले थे।

बच्ची के दिल में टीबी की गांठ

कानपुर। कानपुर के हृदय रोग संस्थान (LPS कार्डियोलॉजी) के डॉक्टरों ने एक 12 साल की बच्ची का करीब 4 घंटे तक ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी है। फतेहपुर की रहने वाली लक्ष्मी पटेल के दिल के दाहिने हिस्से (राइट एट्रियम) में टीबी की एक विशाल गांठ बन गई थी, जिसने खून के बहाव को लगभग रोक दिया था। LPS कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा का दावा है।

हर रोज 10 हजार सिलेंडरों की अतिरिक्त डिलीवरी

एलपीजी किल्लत की अफवाह से बढ़ी बुकिंग, एजेंसियों के बाहर लंबी कतार

- लखनऊ के इंदिरानगर में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को लेकर दुकान सील कर दी गई।
- लखनऊ के बुद्धेश्वर में गैस सिलेंडरों के लिए लगी कतार।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर मारामारी है। केंद्र सरकार की कमर्शियल सिलेंडरों पर कंडीशनल रोक, 25 दिन की बुकिंग व्यवस्था और अचानक बढ़ी मांग ने सप्लाई सिस्टम पर दबाव बढ़ा दिया है। 5 मार्च के बाद लागू हुए नए दिशा-निर्देशों ने राजधानी में गैस वितरण व्यवस्था को प्रभावित किया है। कमर्शियल सिलेंडरों के उपयोग और आवंटन पर सख्ती के चलते होटल, ढाबे और छोटे कारोबारियों की निर्भरता घरेलू सिलेंडरों पर बढ़ी, जिससे डिमांड में तेजी आई। उपभोक्ताओं ने समय से पहले ही बुकिंग शुरू कर दी, जिससे सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव बना

है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, पहले जहां रोजाना 33 से 35 हजार सिलेंडर की डिलीवरी होती थी, अब यह आंकड़ा बढ़कर 44 से 45 हजार तक पहुंच गया है। बावजूद इसके एजेंसियों के बाहर लाइनें लग रही हैं। गैस की कालाबाजारी भी संकट की बड़ी वजह बनकर सामने आई है। जांच के दौरान इंदिरानगर में एक गुमटी पर घरेलू सिलेंडर से छोटे सिलेंडरों में अवैध रिफिलिंग का मामला पकड़ा गया, जिसके बाद संबंधित व्यक्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। लालबाग में एक युवक 4 सिलेंडर के साथ पकड़ा गया। उसे गिरफ्तार करके एफआईआर दर्ज की गई। प्रशासन का मानना है कि इस तरह की गतिविधियां सप्लाई चेन को प्रभावित कर रही हैं। योगी आदित्यनाथ

> अधिकारियों का कहना है कि यह बढ़ोतरी सामान्य मांग नहीं, बल्कि असामान्य परिस्थितियों में बढ़ी हुई बुकिंग का परिणाम है, जिसे नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। कालाबाजारी रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। अब तक प्रदेशभर में 177 एफआईआर हो चुकी हैं। 16 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

सरकार ने पूरे प्रदेश में गैस कालाबाजारी के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। अब तक 12,732 निरीक्षण और छापेमारी की जा चुकी हैं। 177 एफआईआर दर्ज हुई हैं। 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 185 मामलों में अभियोजन की कार्रवाई चल रही है, जिससे गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की कोशिश की जा रही है। गैस आपूर्ति को सुचारु रखने के लिए खाद्य आयुक्त कार्यालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय किया गया है। प्रदेशभर में 4,108 वितरकों की डिलीवरी पर नजर रखी जा रही है।

शहर के कई इलाकों में कतारें, उपभोक्ता परेशान

इंदिरानगर, आशियाना, चौक, अलीगंज, आलमबाग और कृष्णानगर जैसे इलाकों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कई उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा, जिससे नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में ऐसी स्थिति नहीं रहती, लेकिन अचानक आई मांग और देरी से आपूर्ति ने परेशानी बढ़ा दी है।

जिलों में भी निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया है ताकि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी को रोका जा सके।

नवनिर्माण के 9 वर्षों में यूपी बना सुशासन, सुरक्षा और विकास का मॉडल : मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण, अधोसंरचना और सेवाओं में ऐतिहासिक विस्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। परिवहन निगम की ओर से तीन दिवसीय रोजगार मेले में संविदा बस चालकों की भर्ती अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। 250 पदों के लिए शुरू की गई इस भर्ती प्रक्रिया के दो दिन बीत जाने के बाद भी 50 अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका है। आज भर्ती का तीसरा और अंतिम दिन है। भर्ती के पहले दिन 30 अभ्यर्थियों ने टेस्ट दिया था, जिनमें से 26 का चयन किया गया। वहीं दूसरे दिन 23 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 21 अभ्यर्थी चयनित हुए। इस तरह दो दिनों में कुल 47 अभ्यर्थियों का ही चयन हो पाया है, परिवहन निगम ने लखनऊ परिक्षेत्र में 250 संविदा चालकों की भर्ती का लक्ष्य रखा है, लेकिन अब तक की स्थिति यह बताती है कि इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों की संख्या उम्मीद से कम है। भर्ती की धीमी रफ्तार से विभाग के सामने लक्ष्य पूरा करना चुनौती बनता दिख रहा है। अवध बस स्टेशन परिसर में चल रहे इस रोजगार मेले में अभ्यर्थियों की संख्या अपेक्षा के अनुरूप

नहीं पहुंच रही है। अधिकारियों के अनुसार, दस्तावेजों की सख्त जांच और ट्रायल प्रक्रिया के कारण भी कई अभ्यर्थी बाहर हो जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया का आज तीसरा और अंतिम दिन है। ऐसे में परिवहन निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती बचे हुए पदों को भरने की है। अगर आज भी अभ्यर्थियों की संख्या नहीं बढ़ी, तो बड़ी संख्या में पद खाली रह सकते हैं। संविदा चालकों को बेहतर सुविधाएं देने का दावा किया गया है, जिसमें निःशुल्क यात्रा पास, तय वेतन और एक करोड़ रुपये तक का बीमा कवर शामिल है। इसके बावजूद भर्ती में अपेक्षित उत्साह नहीं दिख रहा है, जो विभाग के लिए चिंता का विषय बन गया है।

इंटर की छात्रा से रेप

फोटो-वीडियो से ब्लैकमेल किया, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना इलाके में इंटर की एक छात्रा से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। रश्मिखंड निवासी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अर्श रजा पर आरोप है कि उसने स्कूल के दौरान दोस्ती कर छात्रा को अपने जाल में फंसाया और उसकी अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए लंबे समय तक यौन शोषण करता रहा। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2023 में दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। इसी दौरान आरोपी ने छात्रा से नजदीकी बढ़ाई और फिर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो हासिल कर लिए। इसके बाद वह उन्हें वायरल करने की धमकी देकर कई बार होटल ले गया और दुष्कर्म किया। आरोप है कि इस दौरान उसने छात्रा को गर्भनि-रोधक दवाएं भी खिलाईं। विरोध करने पर मारपीट की। साथ ही धर्म परिवर्तन के लिए भी दबाव बनाया। छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर मामला खुला। परिजनों के मुताबिक, लगातार दवाएं

खिलाए जाने से उसे यूरिन इंफेक्शन हो गया था। डॉक्टर को दिखाने पर पूरी घटना की जानकारी सामने आई। पीड़िता की मां ने सोमवार को अर्श रजा के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो, धर्म परिवर्तन का दबाव डालने और उसके माता-पिता, बहनों के खिलाफ धमकाने की एफआई-आर दर्ज कराई। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के मुताबिक छात्रा के पिता थल सेना में हैं। वर्ष 2023 में छात्रा और अर्श एक ही स्कूल में पढ़ते थे। आरोप है कि अर्श ने छात्रा से दोस्ती की और फिर उसकी अश्लील फोटो व वीडियो हासिल कर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी अर्श को पीजीआई थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर हमला

अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपाई आजकल ‘पीडीए’ (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नाम से डर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हार और आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से बीजेपी नेताओं में घबराहट साफ दिख रही है।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि जो लोग पीडीए वर्ग के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, उन्हें इस शब्द से भी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि पीडीए के नाम से ही भाजपा नेताओं की बेचैनी बढ़ जाती है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कुछ नेता मंचों पर भी चुप नजर आते हैं और आने वाले समय में उन्हें बोलने का मौका मिलेगा या नहीं, यह भी देखना होगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि व्यक्ति के मन और वचन का गहरा संबंध होता है और जिनका मन नकारात्मक होता है, उनकी भाषा में भी वही झलकता है।

मुक्ति : पिता हाथ जोड़कर बोले- कोई रोना मत ■ अंगदान से 6 को नई जिंदगी मिलेगी

इच्छामृत्यु के बाद हरीश राणा का अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली/गाजियाबाद। इच्छामृत्यु पाने वाले गाजियाबाद के हरीश राणा का अंतिम संस्कार हो गया। दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में बुधवार सुबह 9.40 बजे छोटे भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इससे पहले, हरीश का पार्थिव शरीर श्मशान घाट लाया गया। पिता अशोक राणा (62) ने बेटे हरीश को आखिरी बार प्रणाम किया। पिता ने रोते हुए लोगों से हाथ जोड़कर कहा- कोई रोना मत। बेटा शांति से जाए, इसलिए प्रार्थना कर रहा हूं। बेटा अब जहां जन्म ले, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले। 31 साल के हरीश ने कल यानी 24 मार्च को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली थी। वे 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टर्स के मुताबिक परिवार ने हरीश के फेफड़े, दोनों किडनी और कॉर्निया दान किया है। इससे 6 लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है। हरीश को एम्स में पैसिव यूथेनेशिया दिया गया।

इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। यह देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई थी। हरीश को 14 मार्च को गाजियाबाद वाले घर से दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया। 16 मार्च को हरीश की फीडिंग ट्यूब (खाने की नली) हटा दी थी। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक थी। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया था। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर 13 साल में इतना खर्च हो चुका था कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका था। हरीश के परिवार ने सबसे पहले 3 अप्रैल, 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इच्छामृत्यु की इजाजत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे, तब से बिस्तर पर थे

दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते थे और न ही महसूस कर सकते थे। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया था। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए थे। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

देश में पेट्रोल...

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका की जंग का आज 26वां दिन है। जंग के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल और गैस सप्लाई की सप्लाई प्रभावित है। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% LNG इसी रास्ते से मंगाता है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि केरोसीन को वैकल्पिक ईंधन के रूप में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अतिरिक्त आवंटन दिया है और लगभग 16 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में इसके आदेश जारी किए जा चुके हैं।

अमेरिकी जंगी...

कि अमेरिका और इजराइल ने तेहरान में राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को निशाना बनाया। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब बचावकर्मी एक बमबारी स्थल पर मलबा हटाने में लगे थे। इस दौरान उस जगह पर तीन प्रोजेक्टाइल दागे गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हमला सीधे तौर पर राहत कार्य को निशाना बनाता है, जिससे हालात और गंभीर हो सकते हैं। हालांकि, इस पर अमेरिका या इजराइल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सऊदी अरब में मिसाइल हमले में मारे गए उत्तर प्रदेश के सीतापुर निवासी युवक रवि गोपाल का पार्थिव शरीर मंगलवार को उनके गांव पहुंचाया गया। 26 वर्षीय रवि गोपाल 18 मार्च को रियाद में अपने कार्यस्थल पर मौजूद थे, तभी मिसाइल हमले की चपेट में आ गए थे, जिससे उनकी मौत हो गई। शव के गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में शोक का माहौल है। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। बताया जा रहा है कि रवि रोजगार के लिए सऊदी अरब में काम कर रहे थे। अचानक हुए इस हमले ने परिवार को गहरा सदमा दिया है। इराक के पश्चिमी अनबर इलाके में बुधवार को हुए हवाई हमले में 7 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। रॉयटर्स के मुताबिक, यह हमला शिया संगठन पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के एक ठिकाने पर किया गया, जो सेना के एक मेडिकल सेंटर के पास स्थित था। इराक के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह हमला स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 9 बजे हुआ। हमले में एक सैन्य क्लिनिक और उसके पास मौजूद इंजीनियरिंग यूनिट को निशाना बनाया गया। घटना के बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल हमले के पीछे किसका हाथ है, यह साफ नहीं हो पाया है और जांच जारी है।

पब्लिक इवेंट्स में...

इस पर उनके वकील ने कहा- जो व्यक्ति वंदेमातरम गाने या राष्ट्रगीत के समय खड़े होने से इनकार करता है, उस पर हमेशा बहुत बड़ा बोझ होता है। सलाह देने के बहाने लोगों को साथ गाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह सिर्फकेंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज की सर्वदलीय बैठक में सरकार ने सभी सवालों के जवाब और पूरी जानकारी दी है। उन्होंने भरोसा जताया कि इसके बाद विपक्ष भी इस संकट के समय एकजुट होकर देश के साथ खड़ा रहेगा। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी अपील की है कि पूरा देश एकजुट रहे और संसद से एकता का संदेश जाना चाहिए। एक दृष्टिकोण है और लोग इससे असहमत हो सकते हैं। अगर आपके खिलाफ कोई एक्शन होता है, नोटिस आता है, तो आप फिर से कोर्ट आ सकते हैं। फिलहाल यह याचिका 'भेदभाव के एक अस्पष्ट अंदेशे' के अलावा और कुछ नहीं है।

केंद्र से उड़ान...

इसके लिए 1,800 करोड़ का बजट रखा गया है, जिसका इस्तेमाल इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर AI टूल्स, आइरिस स्कैनिंग (आंखों की स्कैनिंग) और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए इस्तेमाल होगा। UDAN 2.0 योजना- टियर-2 और टियर-3 शहरों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी केंद्र के मुताबिक, 100 नए एयरपोर्ट्स बनाने के लिए सरकार उन एयरस्ट्रिप्स का इस्तेमाल करेगी जो अब तक इस्तेमाल में नहीं है। हर एयरपोर्ट पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए 12,159 करोड़ रुपये का अलग से बजट रखा गया है। इसके अलावा हिमालयी राज्यों, नॉर्थ-ईस्ट और द्वीपों के लिए 200 नए हेलीपैड्स बनाए जाएंगे। इसके लिए 3,661 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, ताकि पहाड़ी, दुर्गम इलाकों में भी अच्छी कनेक्टिविटी हो। इससे पहले केंद्र सरकार ने 18 मार्च को कैबिनेट बैठक में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'BHAVYA' (भारत औद्योगिक विकास योजना) को मंजूरी दी थी। 33,660 करोड़ रुपए लागत वाली इस योजना के तहत देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि योजना के तहत बनने वाले इंडस्ट्रियल पार्क में उद्योगों के लिए जमीन, बिजली, पनी और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में निवेश बढ़ेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड नेशनल हाईवे-927 के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर करीब 6,969 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

सहकारिता को बढ़ावा

ए.के. शर्मा बोले- ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है सहकारिता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने मऊ जनपद के नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में आयोजित जिला सहकारी बैंक के चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने सहकारिता आंदोलन की महत्ता पर जोर देते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने आनंद (गुजरात) की बनास अमूल डेयरी का उदाहरण देते हुए कहा कि सहकारिता की ताकत से किस प्रकार एक क्षेत्र आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है।उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आनंद के जिलाधिकारी के रूप में उन्होंने सहकारिता की शक्ति को बहुत करीब से देखा है। यदि पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग की भावना के साथ कार्य

किया जाए तो सहकारिता कभी असफल नहीं हो सकती। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि बनारस की तर्ज पर पूर्वांचल में भी बनास डेयरी स्थापित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं और शीघ्र ही इस क्षेत्र में एक नई डेयरी स्थापित की जाएगी, जिससे किसानों और पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी।घोसी चीनी मिल का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि “घोसी चीनी मिल का कोई बाल बांका भी नहीं कर सकता।” उन्होंने बताया कि हाल ही में कैबिनेट बैठक में उन्होंने मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से इसके लिए फंड की मांग की थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676